THE DEPUTY CHAIRMAN: No clarification.

SHRI SIKANDER BAKHT: I don't know what I should demand. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salim, many names are before me. Now so much time of the House has been taken. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I will take only one minute. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. *(Interruptions)* One second. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: A Joint Committee is a common demand. *(Interruptions)*. The Congress party is also not averse to it. I will respectfully request...*(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Why is he talking of Congress Party? *(Interruptions)*. He should speak about himself. *(Interruptions)*.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The Congress party is an important political party. *(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Who is he to speak on behelf of the Congress party? *(Interruptions)*. Who is he to talk on behalf of the Congress party?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I want his support.....*(Interruptions)*....for setting up a Joint Committee. *(Interruptions)*

SHRI SIKANDER BAKHT: I support the demand for a Joint Committee provided Mr. Gupta explains to me what happend to the previous Joint Committees. What do you expect will be the fate of the new joint Committee?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: There is a new Government in office. That Government will definitely do better....*(Interruptions)*....

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Our position is quite clear. It is unfortunate that somebody else should assume the responsibility to speak on behalf of another party. This has never been done in the Parliament. Nobody has authorised Mr. Gurudas Das Gupta to speak on behalf of the Congress Party. The Congress Party's position is quite clear. Whatever the Government of the day will decide, we will go by it...*(Interruptions)*.....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I have never spoken on behalf of th Congress Party ...*(Interruptions)*.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: As I had announced in the beginning, I have a lot of zero Hour Mention sand Special Mentions. We could not finish them because you wanted to speak on this subject. There are only four minutes left for the lunch hour.... *(Interruptions)*... When I am speaking, please do not interrupt. I would like to ask the Members whether they would like to sit during the lunch hour to finish other matters or we should adjourn for lunch ....*(Interruptions)*...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: There is no question of dispensing with the lunch hour.

RE. CONVERSION OF LEASE-HOLD PROPERTY INTO FREE-HOLD PROPERTY

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): उपसभापति महोदया, मैं एक बड़े इम्पार्टेंस सवाल की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। 25.6.96 को सरकार ने एक नोटिफिकेशन लीज होल्ड प्रोपर्टी को फ्री होल्ड करने के लिए निकाला। 31 अगस्त तक जो लोग उसको कर लेंगे तो उनका तो कर दिया जाएगा लेकिन 31 अगस्त के बाद जो परसों बीत गया, उसके बाद चार गुना ज्यादा उसके रेट लगाये जायेंगे। हाई कोर्ट ने 21.5.96 को गवर्नमेंट को डाइरेक्शन दी कि कन्वर्जन चार्ज बहुत गलत लगाए गए है, उसको रिड्यूस किया जाए। उसको 50 प्रतिशत नीचे लाया जाए। 25 जून को गवर्नमेंट ने यह आर्डर निकाला कि हम कन्वजन चार्ज उसी रेट पर करने के लिए तैयार हैं बशर्ते कि 31 अगस्त से पहले हो जाए। महोदया, यहां पर डी॰डी॰ए॰ की पांच लाख प्रापर्टी है और एल॰एन॰डी॰ओ॰ की 35 हजार-40 हजार प्रापर्टीज हैं। इन 6 लाख प्रापर्टीज में से अभी तक केवल 12 हजार ने अप्लाई किया है। दुनिया में कहीं ऐसा नहीं है जहां डेढ़ महीने के अंदर अंदर सारी

प्रोपर्टीज के कन्वर्ज़न की एप्लीकेशंस आ जाए और उनको कन्वर्ट कर दिया जाए, आज इस समय जो लीज है वह 2 रुपये की लीज रिफ्यूजी कालोनीज में है। आज उसके 30 हजार रुपए मांगे जा रहे है। जिनकी 5 रुपए की लीज साल की है उनको डेढ़ लाख रुपए मांगे जा रहे हैं जिनकी 75 रुपए की लीज है, डी०डी०ए० प्रापर्टीज की उनके मांगे जा रहे है 22 हजार रुपए और 23 हजार रुपए। 2 रुपए की जिसकी लीज है अगर वह 20 रुपए बैंक में जमा करा दे तो 20 रुपए जमा करने के बाद 2 रुपए हमेशा के लिए आ सकते है। हमेशा यही तरीका है कि टेन टाइम इयरली लीज का वन टाइम टेनेंट के तौर पर लिया जाता है। कई मामलों में तो एक लाख गुना, कई मामलों में दो सौ गुना और कई मामलों में पांच सौ गुना कर दिया है और उसमें भी कह दिया कि 31 तारीख तक इसको कन्वर्ट कर दिया जाए। मैं यह कहना चाहता हूं कि जवाहर लाल नेहरू से लेकर आज तक यह कहा गया था कि यह नो प्राफिट नो लास बेसिस पर दी जाएगी। जो रिफ्यूजी प्रापर्टी 6 हजार रुपए में दी गई उसके कन्वर्जन के लिए अब उनसे 30 हजार रुपए, 40 हजार रुपए मांगे जा रहे हैं। यह बहुत ही नाजायज चीज है। दिल्ली के अंदर 6 लाख प्रापर्टीज इसके साथ ताल्लुक रखती हैं। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि जो इस हाउस ने स्टैंडिंग कमेटी बनाई है, जिसमें दोनों हाउस में मेंबर है, उन्होंने जिसमें सभी पार्टियों के मेंबर हैं उन्होंने युनेनीमस रिकमन्डेशन की है कि 31 अगस्त को जो शर्त लगाई गई है यह हटा देनी चाहिए और कोई इसके ऊपर लास्ट डेट नहीं होनी चाहिए। जब स्टैंडिंग कमेटी इसे युनेनिमसली पास करती है तो भी गवर्नमेंट ने 31 अगस्त की डेट को नहीं हटाया है। अगर यह डेट नहीं बढ़ाई गई या उसको खत्म नहीं किया तो जो आदमी आज के बाद अपना कन्वर्जन कराना चाहेगा उसको चार गुना, पांच गुना, आठ गुना, या 10 गुना पैसे देने पड़ेगे और 8.4.87 के रेट पर यह लीज कन्वर्ट होगी। मैं समझता हूं कि यह दिल्ली की जनता के साथ और बाकी शहरों में भी जहां लीज की प्रापर्टी है, वहां के लोगों के साथ यह बहुत गलत होगा। इसलिए पहली मांग मेरी यह है कि स्टैंडिंग कमेटी के युनैनीमसली डिसीजन को माना जाए। नहीं तो स्टैंडिंग कमेटी बनाने का कोई मतलब नहीं और इसकी लास्ट डेट को अबोलिश किया जाए। दूसरा, जो इस वक्त दे रहे हैं, अब टेन टाइम्स आफ़ लीज़ ले कर कनवर्शन किया जाए और तीसरा इसका जो सिस्टम है, उसको सिम्पलीफाई किया जाए। यह सिस्टम इतना ज्यादा खराब है कि लोगों को 10-10 हजार रुपये दलालों को देने पड़ते हैं, उनको फार्म नहीं मिलता है। उसमें भी पचास शर्तें लगा रखी हैं। वह सारी शर्तें हटा दी जाए। इसको सिंपलीफाई किया जाए और उनसे टेन टाइम्स वसूल किया जाए और इस डेट को पूरी तरह से खत्म किया जाए। यह मैं मांग करना चाहता हूं। पर यहां पर गवर्नमेंट की तरफ से तो कोई है ही नहीं। आज के बाद यह होगा, आखिर कोई मिनिस्टर साहब हो जो यह बताएं कि इसको गवर्नमैंट कंसीडर करेगी या नहीं करेगी। स्टैंडिंग कमेटी का यूनेनीमस रज़ोल्यूशन है, यहां पर रामूवालिया जी बताएं, यह दिल्ली की छः लाख प्रोपर्टीज का सवाल है। आप इसको कंसीडर कर रहे या नहीं कर रहे हैं। **(व्यवधान)**

कल्याण मंत्री श्री बलवंत सिंह रामूवालिया: उपसभापति महोदया, मैंने पूरे ध्यान से मल्होत्रा जी की बात सुन ली है। मैं सरकार में अपने कुलीग से कहूंगा कि आप को बुला कर आप से बात कर लें।

THE DEPUTY CHAIRMAN: After the lunch hour, we will resume the discussion on Budget. I must say that because of paucity of time, we have to finish the Budget discussion today.

श्री नरेश यादव: महोदया:.....

उपसभापति: जस्ट वन सैकेंड। देखिये यह बड़ी खराब बात होती है कोई बोल रहा हो उसको काटें। सब से बड़ी खराब बात है अगर चेयर से कोई अनाऊंसमेंट हो रही हो। **(व्यवधान)** कैसे सुनू? आप मेरी बात सुन लें, मैं बोल रही हूं। बजट पर डिसक्शन होगा दो बजे के बाद। आप समय कम होने की वजह से कल समय कम होने की वजह से हाऊस के बहुत कम दिन रह गये हैं इसलिए आज के दिन यह बजट पर डिसकशन कंपलीट करने का है ताकि कल किसी वक्त रिप्लाई हो सके या जिस वक्त भी मंत्री जी आएं तो रिप्लाई हो जाए। मगर आज जिन लोगों का टाइम खत्म हो गया है, हमारे जो चेयर पर वाइस चेयरमैन आएंगे मैं उनको कहूंगी उन्हें न बुलाएं। जिनका टाइम है, अभी जितना टाइम बचा है, उस लिहाज से उनको बुला कर के आज डिसकशन खत्म करना है। We cannot go on with the discussion tomorrow.

श्री नरेश यादव (बिहार): महोदया, इसके इलावा जीरो आवर में बहुत सारी देश की अत्यंत गम्भीर समस्याओं को उठाया जाता है और मैं देख रहा हूं कि दो मामले उठाने के बाद अन्य सदस्यों को यह अवसर मिलता नहीं है। अन्य भी कई महत्वपूर्ण समस्याएं हैं। जैसे बिहार में 55 जिलों में से 25 जिलों में पानी है,

बाढ़ है। उसमें जो सैंट्रल असिस्टेंस का सवाल है, अभी तक सिर्फ दो क्वार्टरली से ज्यादा नहीं गई है। यह भी गम्भीर सवाल है। कम से कम पांच हज़ार गांव आज फंसे हुए हैं। यहां और भी सदस्य हैं, उनको भी मौका दिया जाना चाहिये ताकि वे अपनी बात यहां पर सदन में रख सकें ताकि वह समस्या भी सदन के सामने आ सके। यही मेरा आपसे आग्रह है।

उपसभापतिः आपका निवेदन बिलकुल करेक्ट है, जो आप बोल रहे है, सही बात है। मैं भी यही बात कह रही थी, जब मैम्बर बोल रहे थे। आप रिकार्ड पर पढ़ लेना और आप सुन भी रहे होंगे। मैंने पहले निवेदन किया था मैम्बरों से कि वे संक्षेप में अपनी बात रखें, बात कह दें। दूसरे मैम्बरों को चेयरमैन साहब परमिशन देते है, यह उनका अधिकार है कि वे यहां पर बोलें। उनके अधिकार को चेयर ने या चेयरमैन साहब ने नही लिया है। उनका अधिकार आप लोग ही ले लेते हैं। आप फिर शिकायत भी हम से करते हैं। आप लोग उस वक्त क्यों नहीं बोलते हैं? जब कोई बोल रहा होता है किसी सब्जेक्टड पर तब तो आप खामोश रहते हैं। उस वक्त आप नहीं बोलते हैं कि आपके अधिकार का उल्लंघन हो रहा है।

For Zero Hour submissions and Special Mentions, if the Members agree, we have to sit late in the evening. We are left with four hours and two minutes for the Budget discussion. I will give the time left for each party. The Congress (I) party has one hour and thirty-three minutes and I have eight names. The BJP has taken excess time than was alloted to them. There are four names and they have no time left. The Janata Dal has eighteen minutes with two Members. There are eleven minutes for two Members to speak. And 48 minutes are left for some Independents.

I have my apprehensions, as the Lok Sabha has adjourned till 2 o' clock, I will try to find out at what time the Minister will reply in the Lok Sabha. If he finishes his reply in the Lok Sabha, then he will come to the Rajya Sabha. But after he comes to the Rajya Sabha, we should finish our discussion in the House. So I request the hon. Members to abide by the time left to their various political parties and if the Budget discussion is over, if Members so agree, they can take up the Zero Hour and Special Mentions. I feel there are very important issues concerning everybody and there are other matters. I was willing not to have lunch hour and that we should at least have one hour during the lunch. The Members did not want to have it that way. So it is okay. Now it is entirely up to the Members. If they finish the Budget, they can have that, the time cannot be extended beyond 24 hours, fortunately or unfortunately. With these words, I adjourn the House for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at six minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at ten minutes past two of the clock, [**The Vice-Chairman (Shri Md. Salim)** ***in the Chair.***]

THE BUDGET (GENERAL) 1996-97 (CONTD)

*SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman Sir, I congratulate the honourable Finance Minister, Shri P. Chidambaram for having presented an excellent Budget keeping in line with minimum programme of the 13 party United Front Government formed as a result of mandate given by the people to govern the country with a secular, liberal, democratic coalition at the Centre.

After 49 years of Independence and eight Five Year Plans, and so many projects and programmes there are 40 per cent people living below poverty line according to the reply given by Shri Devendra Prasad Yadav, Minister of Civil Supply the fact that there are crores of people living below the poverty line after so many plans and projects is really regrettable and is shameful.

---

* English translation of the original speech delevered in Telugu.